डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

ख़बरों में विश्वविद्यालय

अप्रैल 2022

'परीक्षा से डरें नहीं, दृढ़ता से सामना करें'

परीक्षा पे चर्चा • जिले के तीन हजार से अधिक विद्यालयों छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने देखा कार्यक्रम

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परीक्षा पे चर्चा 2022 कार्यक्रम शुक्रवार को जिले की समस्त शालाओं में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं सहित शिक्षकों शामिल हुए और कार्यक्रम को देखा। वहीं विवि में भी कुलपति की मौजूदगी में कार्यक्रम को देखा गया।

जिला शिक्षा अधिकारी अजय सिंह ठाकुर ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन के निर्देश पर जिले की 3500 से अधिक शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में प्रधानमंत्री की परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्कृष्ट विद्यालय एवं महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय क्रमांक एक सहित जिले की 3500 से अधिक विद्यालयों में कक्षा एक से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण देखा। श्री ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान बेहतर समय प्रबंधन, तनाव प्रबंधन, विषयों की तैयारी, प्रतियोगितात्मक दृष्टिकोण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की। देश के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों की शंकाओं का निवारण किया। उपस्थित विद्यार्थियों ने पूरे कार्यक्रम को रुचिपूर्वक सुना। अन्य विद्यार्थी और शिक्षक अन्य आनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े। कार्यक्रम के दौरान संस्था प्रमुख रामकुमार वैद्य, महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय क्रमांक-एक के प्राचार्य यशवंत सिंह राजपूत, मेनपानी हाइस्कूल की प्राचार्य अंजू श्रीवास्तव, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हिलगन के प्राचार्य राम मिलन मिश्रा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बमोरीबीका के प्राचार्य अनीता कुमार, मयंक नेमा के साथ बीजू थॉमस, मोहम्मद तनवीर शेख, प्रशांत रेजा, शिवानी लोधी, संजय राजपूत, आशीष शर्मा, अभिषेक रावत आदि शिक्षक भी उपस्थित रहे।

डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। • नवदुनिया

स्कूलों में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। • नवदुनिया

विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का हुआ सीधा प्रसारण : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में शुक्रवार को आयोजित परीक्षा पे चर्चा 2022 कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि लम्बें अंतराल बाद उनका विद्यार्थियों से सीधे संवाद हो रहा है। उन्होंने कहा कि परीक्षा के भय और तनाव से मुक्त रहना चाहिए।

उन्होंने आनलाइन मोड में पढ़ाई के दौरान होने वाली समस्याओं पर चर्चा करते हुए कहा कि माध्यम समस्या नहीं है। हमारा मन और मस्तिष्क एकाग्र होना चाहिए। आज आनलाइन माध्यम पर भरपूर सामग्री उपलब्ध है। अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए उनका अनुशासन में रहते हुए उपयोग करना चाहिए। आनलाइन माध्यम पर मन का भटकाव रोकने के लिए अनुशासन जरूरी है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर विस्तार से चर्चा करते हुए का कि इस नीति में ऐसी बहुत सी बातें हैं जिनको धरातल पर लाया जाना है।

इस नीति को बारीकी से समझते हुए इनके क्रियान्वयन के बाद ही इसका सही लाभ हम सभी को मिल पाएगा। उन्होंने अभिभावकों और विद्यार्थियों के कई प्रश्नों के जवाब भी दिए। विश्वविद्यालय के कुलसचिव कांफ्रेंस कक्ष में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता मौजूद थी।

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 4 के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भी विद्यालय सभाकक्ष, प्रदर्शनकारी कला विभाग एवं शिक्षा विभाग के सहयोग से परीक्षा पे चर्चा 2022 के संजीव प्रसारण कार्यक्रम में सहभागिता की।

ढाना में हुआ परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम

केन्द्रीय विद्यालय ढाना में शुक्रवार को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा देश के विभिन्न अंचलों में स्थित विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ परीक्षा पे चर्चा की गई। केंद्रीय विद्यालय ढाना के 600 छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने हिस्सा लिया। एल.सी.डी. स्क्रीन के द्वारा दिल्ली स्थित ताल कटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण केंद्रीय विद्यालय ढांना में दिखाया गया। कार्यक्रम को विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य संजीव कुमार सोनी ने संबोधित किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में आर्मी कैंप ढाना स्थित एनसीओ एकादमी का अभूतपूर्व योगदान दिया। विद्यालय के सभी शिक्षकों ने भी कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन के लिए अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन मनीष कुमार नरुका ने किया। कार्यक्रम में नदीम खान ने धन्यवाद दिया। इस दौरान कर्नल अवधेश प्रताप सिंह का आभार व्यक्त किया गया।

तीन हजार से अधिक विद्यालयों में प्रधानमंत्री का परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम संपन्न

जागरण न्यूज, सागर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परीक्षा पे चर्चा 2022 कार्यक्रम जिले की समस्त शालाओं में आयोजित किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं सहित शिक्षकों ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। जिला शिक्षा अधिकारी अजब सिंह ठाकुर ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन के निर्देश पर जिले की 3500 से अधिक शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में प्रधानमंत्री की परीक्षा पे चर्चा 2022 कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्कृष्ट विद्यालय एवं महारानी लक्ष्मीबाई विद्यालय क्रमांक 1 सहित जिले की 3500 से अधिक विद्यालयों में कक्षा एक से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने दूरदर्शन पर सीधा प्रसारण देखा। जिला शिक्षा अधिकारी ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान बेहतर समय प्रबंधन, तनाव प्रबंधन, विषयों की तैयारी, प्रतियोगितात्मक दृष्टिकोण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा की। देश के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देकर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों की शंकाओं का निवारण किया। उपस्थित विद्यार्थियों ने पूरे कार्यक्रम को रुचिपूर्वक सुना। अन्य विद्यार्थी और शिक्षक अन्य ऑनलाइन प्लेटफफर्म के माध्यम से कार्यक्रम में जुड़ें। प्रसारण कार्यक्रम के दौरान संस्था प्रमुख रामकुमार वैद्य, महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय क्रमांक एक के प्राचार्य यशवंत सिंह राजपूत, मेनपानी हाईस्कूल की प्राचार्य श्रीमती अंजू श्रीवास्तव, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हिलगन के प्राचार्य राम मिलन मिश्रा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बमोरीबीका के प्राचार्य श्रीमती अनीता कुमार, मयंक नेमा के साथ बीजू थॉमस, मोहम्मद तनवीर शेख, प्रशांत रेजा, शिवानी लोधी, संजय राजपूत, आशीष शर्मा, अभिषेक रावत आदि शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव कांफ्रेंस कक्ष में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, विभिन्न विभाग के विभागाध्यक्षों, अधिष्ठाताओं एवं अधिकारियों ने कार्यक्रम के सजीव प्रसारण के प्रदर्शन में सहभागिता की। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने जवाहर लाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय में परीक्षा पे चर्चा 2022 के सजीव प्रसारण कार्यक्रम में सहभागिता की। विभिन्न अकादमिक विभागों में भी विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने भी परीक्षा पे चर्चा 2022 सजीव प्रसारण कार्यक्रम में सहभागिता की।

प्राणी शास्त्र विभाग के शोध छात्रों का चयन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के प्राणी शास्त्र विभाग के शोध छात्र-छात्राऐं इंडियन काउन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा चयनित किए गए हैं। डॉ. कल्पना बघेल रिसर्च एसोसिएट एवं शोध छात्र-छात्राऐं देवव्रत दास, रोशनी राजपूत, सुरभि चौरसिया, कायनात उस्मानी सीनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए चयनित हुए हैं। यह फेलोशिप विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तावित शोध परियोजना के क्रियान्वयन के लिए स्वीकृत किए गए हैं। यह फैलोशिप तीन वर्षों के लिए होगी।

एनएसएस छात्रों में सेवाभाव विकसित करता है

नवभारत न्यूज

सागर 1 अप्रैल. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अंतर्गत स्वच्छ भारत स्वस्थ मानस थीम के तहत राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया.

विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में व्याख्यान सत्र हुआ. विषय प्रवर्तन करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ संजय शर्मा ने किया. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि एनएसएस के माध्यम से छात्रों में सेवा की भावना को विकसित करने का काम किया जाता है. स्वयं सेवकों का काम खुद में सेवा भावना पैदा करना तो है ही, साथ ही उनकी जिम्मेदारी यह भी है कि समाज के लोगों में जागरूकता और समाज सेवा की भावना को विकसित करें. क्षेत्रीय निदेशक एएस कबीर ने कहा कि 2014 में क्लीन इंडिया मिशन के बाद से देश में बड़ा बदलाव आया है. विवि में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के साथ कई गतिविधियाँ प्रारंभ की जाएगी. बुंदेलखंड विवि के कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय ने विभिन्न तथ्यों और आंकड़ों के हवाले से पर्यावरण पर हो रहे संकट और उसके बचाव के तरीकों पर विद्यार्थियों से संवाद किया. रानी दुर्गावती विवि के कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्रा ने मौजूदा संकट में स्वच्छता को एक मूल्य के रूप में स्वीकार करने की बात कही. संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुनीत वालिया ने किया तथा कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने आभार माना.

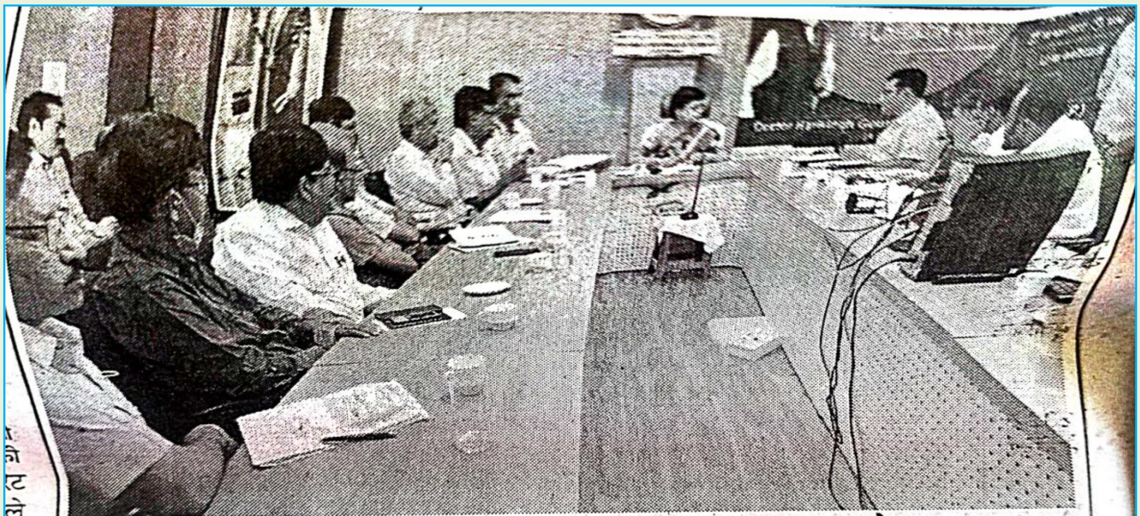

विवि दीक्षांत समारोह के आयोजन को लेकर बैठक संपन्न

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के तीसवें दीक्षांत समारोह के आयोजन की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न हुई. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दीक्षांत समारोह आयोजन समिति के विभिन्न समन्वयकों की बैठक में तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए. गौरतलब है कि कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण दीक्षांत समारोह स्थगित कर दिया गया था। अब यह समारोह 26 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है. दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि दीक्षांत समारोह में बारह सौ से अधिक विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया है जिनमें से एक हजार से अधिक विद्यार्थी दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर अपनी उपाधियाँ प्राप्त करेंगे. बैठक में कुलसचिव संतोष सोहगौरा, उपकुलसचिव सतीश कुमार, प्रो. संजय जैन, प्रो. दिवाकर राजपूत, प्रो. हेरेल थॉमस, प्रो. देवाशीष बोस, डॉ. ललित मोहन, प्रो. सुबोध जैन, प्रो. यू के पाटिल, डॉ. एस. पी. गादेवार, प्रो. नागेश दुबे, डॉ. किरण माहेश्वरी सहित अन्य समन्वयक उपस्थित थे।

भूगोल विभाग के विद्यार्थियों ने किया रूग्णता सर्वेक्षण

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के बीएससी छठवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने बरारु, पटकुई गांव में कोर्स समन्वयक डॉ. हेमंत पाटीदार एवं डॉ. सतीश सी के निर्देशन में रूग्णता मोर्बिडिटी पर सर्वेक्षण किया। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों ने इन दोनों गांवों के कुल 180 परिवारों के बीच जाकर उनके स्वास्थ्य की स्थितियों के बारे जानकारी का संकलन किया। कोर्स समन्वयक डॉ. हेमंत ने बताया कि मानव विकास में स्वास्थ्य अत्यंत ही महत्वपूर्ण पहलू होता है। ऐसे में रूग्णता के कारणों एवं रोकथाम के संभावित उपायों का अध्ययन अत्यंत ही प्रासंगिक है। उन्होंने बताया कि इस सर्वेक्षण के माध्यम से हम यह भी पता लगाने की कोशिश करेंगे कि लोगों की सामाजिक, आर्थिक स्थितियां उनके स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करती हैं। इससे रूग्णता पर सामाजिक, आर्थिक एवं व्यावहारिक कारणों के प्रभावों को समझने में मदद मिलेगी। इस सर्वेक्षण में शोध छात्र राहुल मिश्रा, कुंदन परमार एवं शुभम पटेल आदि थे।

एक नजर में

विवि भूगोल विभाग के विद्यार्थियों ने किया सर्वेक्षण

सागर. डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के बीएससी छठवें सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने बरारु-पटकुई गांव में कोर्स समन्वयक डॉ. हेमंत पाटीदार एवं डॉ. सतीश के निर्देशन में रूग्णता मोर्बिडिटी पर सर्वेक्षण किया. विद्यार्थियों ने गाँवों के 180 परिवारों के बीच जाकर स्वास्थ्य की स्थितियों के बारे जानकारी का संकलन किया. इस सर्वेक्षण में शोध छात्र राहुल मिश्रा, कुंदन परमार, शुभम पटेल आदि मौजूद रहे.

18 समीक्षाएं पुस्तक का विमोचन किया गया

नवभारत न्यूज

सागर 4 अप्रैल. समालोचक व स्तंभ लेखिका डॉ. सुजाता मिश्र की प्रथम पुस्तक 18 समीक्षाएं का विमोचन कार्यक्रम किया गया. लेखकों डॉ मनीष झा, आरके तिवारी, डॉ. चंचला दवे द्वारा पुस्तक विमोचन किया गया.

मुख्य अतिथि डॉ. हरीसिंह गौर विवि के कुलसचिव संतोष सहगौरा ने कहा कि सीधी-साधी सरल भाषा, जीवन के गीत गाती, सपनों को आवाज देती इन समीक्षाओं की नींव में कहीं ना कहीं यह विश्वास जीवित है कि समय की आपाधापी में जुटा मनुष्य एक न एक रोज प्रकृति के सामंजस्य की राह जरूर खोजेगा. प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि समीक्षक की अपनी व्यक्तिगत दृष्टि होती है जिसके अनुसार वह पुस्तकों को समीक्षा के योग्य मानता है. सृजन पीठ केंद्र की अध्यक्ष डॉ. शरद सिंह ने कहा कि किसी भी कृत्य का असली निर्णय असली समीक्षक उसका पाठक वर्ग होता है. समीक्षक तो पुस्तक और पाठक के बीच एक सेतु का कार्य करता है. इस अवसर पर लेखिका डॉ. मिश्र का सम्मान पत्र प्रदान कर किया गया. स्वर संगम संस्था के अध्यक्ष हरीसिंह ठाकुर ने सम्मान पत्र का वाचन किया. कपिल बैसाखिया, हरी शुक्ला और लेखिका संघ की अध्यक्ष सुनीला सराफ एवं डॉ. चंचला दवे ने अतिथि स्वागत किया. श्यामलम अध्यक्ष उमाकांत मिश्र ने स्वागत भाषण दिया. डॉ. अंजना चतुर्वेदी तिवारी ने संचालन किया. आरके तिवारी ने आभार व्यक्त किया.

डॉ.गौर पर केंद्रित पुस्तक का विमोचन 7 को

जागरण, सागर। 7 अप्रैल को दोपहर 12.30 बजे स्वर्णजयंती सभागार डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बीके श्रीवास्तव द्वारा लिखित पुस्तक डॉ हरीसिंह गौर : एक प्रेरक व्यक्ति पुस्तक का विमोचन होने जा रहा है। इस पुस्तक का पुरोवाक प्रख्यात फिल्म अभिनेता गोविंद नामदेव द्वारा लिखा गया है। पुस्तक में प्रसंगवश फिल्म निर्देशक सौरभ श्रीवास्तव द्वारा लिखा गया है। पुस्तक विमोचन एवं व्याख्यान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता करेंगी। पुस्तक का प्रकाशन देश के प्रतिष्ठित प्रकाशक डीके प्रिंट वर्ल्ड द्वारा किया गया है।

विवि के प्राणी शास्त्र विभाग के शोध छात्रों का चयन

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग के शोध छात्र-छात्राओं का इंडियन काउंन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा चयन किया गया है। डॉ. कल्पना बघेल रिसर्च एसोसिएट एवं शोध छात्र-छात्राऐं देवव्रत दास, रोशनी राजपूत, सुरभि चौरसिया एवं कायनात उस्मानी सीनियर रिसर्च फैलोशिप हेतु चयनित हुए हैं।

विवि दीक्षांत समारोह में एक हजार से ज्यादा पंजीयन

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि के तीसवें दीक्षांत समारोह के आयोजन की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बैठक ली। दीक्षांत समारोह आयोजन समिति के विभिन्न समन्वयकों की बैठक में तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्दे दिए। विवि ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण दीक्षांत समारोह स्थगि कर दिया गया था, अब यह समारोह 26 अप्रैल को आयोजित किया ज रहा है। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि समारोह में बारह सौ से अधिक विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया है, जिनमें से एक हजार से अधिक विद्यार्थी दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर अपनी उपाधियां प्राप्त करेंगे। बैठक में कुलसचिव संतोष सोहगौरा, उप कुलसचिव सतीश कुमार, प्रो. संजय जैन, प्रो. दिवाकर राजपूत, प्रो. हेरेल थॉमस, प्रो. देवाशीष बोस, डॉ. ललित मोहन, प्रो. सुबोध जैन, प्रो. यूके पाटिल, डॉ. एसपी गादेवार, प्रो. नागेश दुबे, डॉ. किरण माहेश्वरी सहित अन्य समन्वयक उपस्थित थे।

देश भर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट हुआ लागू

नए सत्र में डॉ. हरिसिंह गौर विवि नहीं कराएगा एंट्रेंस एग्जाम, सीयूइटी के जरिए होगी परीक्षा

पत्रिका अभियान

6 अप्रैल से विद्यार्थी कर सकते हैं पंजीयन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि नए सत्र में दाखिले के लिए एंट्रेंस एक्जाम नहीं कराएगा। अब देश भर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूइटी) के जरिए दाखिले होंगे।

इसका जिम्मा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को सौंपा गया है। अभी सिर्फ स्नातक कोर्स में दाखिला पाने वाले विद्यार्थियों के दाखिले के लिए विज्ञापन जारी हुए हैं।

इसमें सबसे अच्छी बात यह है कि बुंदेलखंड के विद्यार्थी कोर्स के आधार पर देश भर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों को छांट सकते है और उसमें दाखिले के लिए पहली च्वाइस बना सकते हैं। वहीं, अलग-अलग विश्वविद्यालयों के लिए अलग-अलग फार्म भरने की झंझट से भी निजात मिलेगी।

सीयूइटी के विज्ञापन जारी हो गए हैं। स्नातक कोर्स के लिए विद्यार्थी 6 अप्रेल से 6 मई तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। परीक्षा जुलाई के पहले व दूसरे सप्ताह में होगी। खासबात यह है कि यह परीक्षा कम्प्यूटर आधारित होगी। विवि में अभी ओएमआर सीट के आधार पर परीक्षाएं ली जा रही थीं। वहीं, एंट्रेंस एग्जाम 13 भाषाओं में होगी।

डीयू में मिल सकेगा दाखिला...

मीडिया प्रभारी डॉ. विवके जायसवाल ने बताया कि इस कॉमन टेस्ट से बुंदेलखंड के विद्यार्थियों को डीयू में पढने का चांस मिल सकता है। डीयू में 12 वीं की मेरिट के आधार पर दाखिले होते थे, लेकिन कॉमन टेस्ट में बेहतर अंक पाने वाले विद्यार्थी को डीयू में पढने का अवसर मिलेगा।

पीजी के लिए जल्द जारी होगा नोटिफिकेशन

इधर, स्नातकोत्तर कोर्स को भी कॉमन टेस्ट के दायरे में लाने की प्रक्रिया चल रही है। वर्ष 2022-23 सत्र में प्रवेश सीयूइटी के जरिए ही होंगे। बताया जाता है कि जल्द अलग से पीजी कोर्स के लिए नोटिफिकेशन जारी होगा।

कल तक कोर्स होंगे अपलोड

देश भर के केंद्रीय विश्वविद्यालय अपने-अपने कोर्स साइट पर अपलोड कर रहे हैं। डॉ. हरिसिंह गौर विवि अपने संस्थान में चल रहे यूजी के कोर्स भी सीयूइटी के लिए कल तक अपलोड कर देगा। इससे देश के कोने-कोने के विद्यार्थी कोर्स को देख पाएंगें और उसके लिए आवेदन करेंगे।

आर्टीफिशियल फूलों से होगी सजावट

अतिथियों को पुष्पगुच्छ की जगह दिए जाएंगे पौधे

डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि ने लिया निर्णय

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि में अब आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट नहीं किए जाएंगे। विवि प्रशासन ने खर्चा कम करने के लिए इस पर रोक लगा दी है। वहीं, इसके स्थान पर बड़े मनीषियों की लिखी पुस्तकें, पौधे, शॉल, श्रीफल आदि ही भेंट किए जाएंगे। एक तरह से इको फ्रेंडली सिस्टम के तहत भी यह निर्णय लिया गया है।

बता दें कि विवि में हर महीने करीब 12 से 15 छोटे-बड़े शैक्षिक कार्यक्रम, सेमीनार, कार्यशाला, सम्मान समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें 100 रुपए से लेकर 300 रुपए तक के पुष्पगुच्छ हर महीने खरीदे जा रहे हैं और अतिथियों को भेंट किए जाते हैं।

भेंट करने के बाद इनका दोबारा उपयोग नहीं होता है। कार्यक्रम के बाद इन्हें कचरे के डिब्बे में फेंक दिया जाता है।

प्लास्टिक पर उपयोग हुआ कम

इधर, इको फ्रेंडली की दिशा में विवि ने प्लास्टिक के उपयोग पर काफी हद तक रोक लगाई हुई है। कार्यक्रमों के दौरान कांच के गिलास में पानी और स्टेनलेस स्टील के थर्मस ही उपयोग में लाए जा रहे हैं।

सजावट के लिए फूलों पर भी रोक

कुलपति ने कार्यक्रमों के दौरान सजावट के लिए लगाए जाने वाले फूलों पर भी रोक लगाने का सुझाव दिया है।

इस पर भी जमकर फिजूलखर्ची होती है और कार्यक्रम के बाद इन्हें कचरे के ढेर पर फेंक दिया जाता है। विवि प्रशासन अब आर्टीफिशियन फूलों का ही उपयोग करेगा।

कर्म की सृजनात्मक निष्ठा मुश्किलों को आसान बनाती है : प्रो. नीलिमा गुप्ता

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के स्वर्ण जयंती सभागार में प्लेसमेंट सेल एवं मानविकी एवं समाज विज्ञान अध्ययनशाला के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रो. बीके श्रीवास्तव की पुस्तक धड़ा हरीसिंह गौर : एक प्रेरक व्यक्तित्वध का विमोचन कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मानविकी एवं समाजविज्ञान के अधिष्ठाता प्रो अंबिकादत्त शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि डा. हरीसिंह का जीवन एक सत्याग्रही का जीवन रहा है और जब एक सत्याग्रही व्यक्ति के जीवनगाथा को इस तरह लोकार्पित किया जाता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शैलेन्द्र जैन थे। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कि मुश्किलें हमें आजमाती हैं. यदि हमारे भीतर कर्म की निष्ठा हो तो हम उन मुश्किलों के उस पार अपने लिए संभावनाओं की एक बेहतर दुनिया सृजित कर सकते हैं। प्रो. बीके श्रीवास्तव ने भी अपनें विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में कई लोग मौजूद थे।

लॉकडाउन के दौरान की थी रचना

सर गौर के व्यक्तित्व पर लिखी किताब का हुआ विमोचन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में प्लेसमेंट सेल एवं मानविकी एवं समाज विज्ञान अध्ययनशाला के संयुक्त तत्वावधान में प्रो. बीके श्रीवास्तव की पुस्तक डॉ. हरिसिंह गौर एक प्रेरक व्यक्तित्व का विमोचन कार्यक्रम हुआ।

इस मौके पर मानविकी एवं समाजविज्ञान के अधिष्ठाता प्रो. अंबिकादत्त शर्मा ने कहा कि डॉ हरिसिंह का जीवन एक सत्याग्रही का जीवन रहा है और जब एक सत्याग्रही व्यक्ति के जीवनगाथा को इस तरह लोकार्पित किया जाता है। विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि सर गौर की आत्मकथा 7 लाइवस को पढ़ते हुए कुछ कमी महसूस होती थी, लेकिन इस किताब के आने के बाद अब वह डॉ. गौर की समग्र जीवनी को जाना, समझा जा सकता है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि लोग बहाना बनाते हैं कि लॉकडाउन के कारण हम कोई कार्य नहीं कर पाए, लेकिन वहीं प्रोफेसर बीके श्रीवास्तव ने लॉकडाउन अवधि का सदुपयोग करते हुए इतना महत्वपूर्ण ग्रंथ लिख डाला।

प्रो. बीके श्रीवास्तव ने कहा कि वे काफी वर्षों से डॉ. हरिसिंह पर पुस्तक लिखने के लिए सामग्री एकत्रित कर रहे थे, जिसमें उनकी पत्नी डॉ. माधवी श्रीवास्तव का काफी सहयोग रहा। 25 मार्च 2020 को लॉकडाउन लगते ही उन्होंने इस पुस्तक के लेखन का कार्य आरंभ कर दिया था। पुस्तक की समीक्षा युवा कथाकार डॉ. आशुतोष ने की। इस अवसर श्यामलम संस्था के अध्यक्ष उमाकांत मिश्र, पाठक मंच केंद्र संयोजक के अध्यक्ष आर.के तिवारी और मध्य प्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन सागर एवं पंडित ज्वालाप्रसाद ज्योतिषी इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष आशीष ज्योतिषी, मध्य प्रदेश लेखिका संघ के अध्यक्ष सुनीला सराफ व सचिव डॉ. चंचला दवे, महिला काव्य मंच सागर इकाई अध्यक्ष डॉ अंजना चतुर्वेदी तिवारी आदि ने प्रो. श्रीवास्तव का सम्मान किया।

विश्वविद्यालय में प्रो. बीके श्रीवास्तव की पुस्तक का विमोचन

'डॉ. गौर की आत्मकथा 7 लाइव्स कुछ अधूरी लगी, अब इस पुस्तक से पूर्ण हो गई'

भास्कर संवाददाता | सागर

सागर| प्रो. बीके श्रीवास्तव की पुस्तक का विमोचन करते अतिथि।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में गुरुवार को प्रो. बीके श्रीवास्तव की पुस्तक डॉ.हरीसिंह गौरः एक प्रेरक व्यक्तित्व का विमोचन हुआ। मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा जब मैंने डॉ.गौर की आत्मकथा 7 लाइव्स को पढ़ा वह कुछ अधूरी सी लगी। परंतु प्रो. श्रीवास्तव की इस नई पुस्तक के आने से वह अब पूर्णतः को प्राप्त कर चुकी है। इसके लिए प्रो.श्रीवास्तव के साथ ही पुस्तक लेखन में सहयोग के लिए डॉ. माधवी श्रीवास्तव भी बधाई की पात्र हैं। अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कि कहा लोग बहाना बनाते हैं कि लॉकडाउन के कारण हम यह नहीं कर पाए। वहीं प्रो. श्रीवास्तव ने लॉकडाउन का *उपयोग करते हुए इतने महत्वपूर्ण ग्रंथ लिख डाले।* समस्त शिक्षकों को भी इस प्रकार के कार्य करने के लिए प्रेरित होना चाहिए। प्रो.अंबिका दत्त शर्मा ने कहा डॉ.गौर का जीवन एकं सत्याग्रही का जीवन रहा है। जब एक सत्याग्रही व्यक्ति की जीवन गाथा को इस तरह लोकार्पित किया जाता है। तब इससे लोगों को सत्य पथ पर निरंतर चलते रहने की प्रेरणा मिलती है। प्रो. श्रीवास्तव ने यह कार्य इस पुस्तक को प्रामाणिक रूप प्रदान कर किया है। पुस्तक की समीक्षा करते हुए युवा कथाकार डॉ. आशुतोष मिश्रा ने कहा कि इस पुस्तक को लिखे जाने में प्रो.श्रीवास्तव ने बेहद महत्वपूर्ण व मुश्किल कार्य किया है और इस कार्य को करने में उन्होंने लेखकीय ईमानदारी का जो परिचय दिया है वो बेहद प्रशंसनीय है। विभिन्न संस्थाओं द्वारा प्रो.श्रीवास्तव का सम्मान किया गया। इस अवसर पर उमाकांत मिश्र, आरके तिवारी, आशीष ज्योतिषी, डॉ. चंचला दवे, डॉ. अंजना चतुर्वेदी तिवारी, डॉ. सुजाता मिश्र, प्रदीप पांडेय, दामोदर अग्निहोत्री शुभम श्रीवास्तव ने अपनी संस्थाओं की तरफ से सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रो.अनुपमा कौशिक, प्रो. नागेश दुबे, प्रो.अशोक अहिरवार, प्रो.आनंदप्रकाश त्रिपाठी, प्रो.विनोद दीक्षित, डॉ. लक्ष्मी पांडेय, डॉ.टीआर त्रिपाठी, डॉ. पंकज तिवारी, मुन्ना शुक्ला, डॉ.शरद सिंह, हरगोविंद विश्व, डॉ. शांभवी शुक्ला, बृजेश मिश्र आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ पंकज सिंह ने एवं आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना।

आयोजन

विवि के स्वर्ण जयंती हाल में हुआ पुस्तक विमोचन समारोह एवं व्याख्यान

कर्म की सृजनात्मक निष्ठा मुश्किलों को आसान बनाती हैः प्रो. नीलिमा

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के स्वर्ण जयन्ती सभागार में प्लेसमेंट सेल एवं मानविकी एवं समाज विज्ञान अध्ययनशाला के संयुक्त तत्वावधान में प्रो. बी.के. श्रीवास्तव की पुस्तक डॉ. हरीसिंह गौर एक प्रेरक व्यक्तित्व का विमोचन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर विधायक शैलेन्द्र जैन रहे एवं अध्यक्षता कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने की। मानविकी एवं समाजविज्ञान के अधिष्ठता प्रो अंबिकादत्त शर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि डॉ हरीसिंह का जीवन एक सत्याग्रही का जीवन रहा है और जब एक सत्याग्रही व्यक्ति के जीवनगाथा को इस तरह लोकार्पित किया जाता है, तब इससे लोगों को सत्यपथ पर निरंतर चलते रहने की प्रेरणा मिलती है. प्रो श्रीवास्तव ने यह कार्य कर इस पुस्तक को प्रामाणिक रूप प्रदान कर किया है. यह केवल एक महत्वपूर्ण कृति ही नहीं है बल्कि इस दिशा में कार्य करके प्रो श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय के शिक्षक के रूप में ऋण शोधन का भी कार्य किया है।

मुख्य अतिथि विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि डॉ हरीसिंह गौर की आत्मकथा 7 लाइव्स को पढ़ते हुए कुछ कमी महसूस होती थी लेकिन इस किताब के आने के बाद अब वह डॉ गौर की समग्र जीवनी को जाना- समझा जा सकता है. उन्होंने प्रो श्रीवास्तव को बधाई दी और साथ ही उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया। इस कार्य में उनका सहयोग करने और प्रेरित करने के लिए उनकी धर्मपत्नी डॉ माधवी श्रीवास्तव का भी आभार व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि कि लोग बहाना बनाते हैं कि लॉकडाउन के कारण हम कोई कार्य नहीं कर पाए लेकिन वहीं प्रोफेसर बी.के.श्रीवास्तव ने लॉकडाउन अवधि का सदुपयोग करते हुए इतना महत्वपूर्ण ग्रंथ लिख डाला. समस्त शिक्षकों को भी इस प्रकार का कार्य करने के लिए प्रेरित होना चाहिए । मुश्किलें हमें आजमाती हैं. यदि हमारे भीतर कर्म की निष्ठा हो तो हम उन मुश्किलों के उस पार अपने लिए संभावनाओं की एक बेहतर दुनिया सृजित कर सकते हैं।

प्रो. बी.के. श्रीवास्तव ने कहा कि वे काफी वर्षों से डॉक्टर हरीसिंह गौर पर पुस्तक लिखने हेतु सामग्री एकत्रित कर रहे थे, जिसमें उनकी पत्नी डॉ माधवी श्रीवास्तव का काफी सहयोग रहा। 25 मार्च 2020 को लॉकडाउन लगते ही उन्होंने इस पुस्तक के लेखन का कार्य आरंभ कर दिया था। उन्होंने अवचेतन मन की शक्ति पर बोलते हुए कहा कि कि डॉ. गौर जब मैट्रिक करने सागर से जबलपुर जा रहे थे, तभी उन्होंने सोच लिया था, कि आज मैं सागर से बाहर जा रहा हूं मगर कुछ ऐसा करूंगा कि आने वाली पीढ़ी को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु सागर से बाहर ना जाना पड़े। यह बात उनके अवचेतन मन में चली गई और अवचेतन मन की शक्ति काम करने लगी, जिसका परिणाम सागर विश्वविद्यालय के रूप में आपके सामने है. उन्होंने महिलाओं को पुरुषों के बराबरी का अधिकार दिलाने का काम किया. अन्तर्जातीय विवाह को मान्यता मिलने में उनका काफी योगदान रहा. प्रो श्रीवास्तव ने बताया कि डॉक्टर हरीसिंह गौर पर यह पुस्तक प्रेरणा देगी ताकि युवा पीढ़ी उसे पढ़ कर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सके उन्होंने बताया कि कैसे हमारा अवचेतन मन हमारे सपनों को साकार करता है और सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है।

पुस्तक की समीक्षा युवा कथाकार डॉक्टर आशुतोष ने की. उन्होंने कहा कि इस पुस्तक को लिखे जाने में प्रो श्रीवास्तव ने बेहद महत्वपूर्ण व मुश्किल कार्य किया है. इस कार्य को करने में उन्होंने लेखकीय ईमानदारी का जो परिचय दिया है वो बेहद प्रशंसनीय है। इस अवसर श्यामलम संस्था के अध्यक्ष उमाकांत मिश्र, पाठक मंच केंद्र संयोजक के अध्यक्ष आर. के. तिवारी और मध्य प्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन सागर एवं पंडित ज्वालाप्रसाद ज्योतिषी इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष- आशीष ज्योतिषी, मध्य प्रदेश लेखिका संघ के अध्यक्ष- श्रीमती सुनीला सराफ एवं सचिव डॉ चंचला दवे, अ.भा. महिला काव्य मंच सागर इकाई अध्यक्ष- डॉ अंजना चतुर्वेदी तिवारी, पीआर एस वेलफेयर सोसाइटी सागर के अध्यक्ष प्रदीप पांडेय, सत्यम कला संस्कृति के अध्यक्ष- दामोदर अग्निहोत्री, बुंदेली हलचल के संस्थापक शुभम श्रीवास्तव ने प्रो. श्रीवास्तव का सम्मान किया।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना डॉ.शाम्भवी शुक्ला और सुप्रसिद्ध गायक बृजेश मिश्र, विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो नागेश दुबे, प्रो अशोक अहिरवार, प्रो आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, प्रो विनोद दीक्षित, प्रो नवीन गीडीयन, डॉ शशि कुमार सिंह, डॉ आर पी सिंह, प्रो अनुपमा कौशिक,माधव चंदेल, डॉ किरण आर्या, डॉ ज्ञानेश तिवारी, डॉ. कालीनाथ झा, डॉ. उत्सव आनंद, लोकेश उइके, प्रो. निवेदिता मैत्रा, डॉ रीना बासु डॉक्टर पी एल प्रजापति डॉ. संजय बरोलिया डॉ प्रीति अनिल खंडारे शहर से श्री गजाधर सागर डॉ. डीआर त्रिपाठी डॉ पंकज तिवारी, किड्स एकेडमी के संदीप श्रीवास्तव, पीआर मलैया, डॉ शरद सिंह, डॉ नलिन जैन, हरगोविंद विश्व, डॉ वीरेंद्र मटसेनीया, डॉ. जय नारायण यादव डॉ भरत शुक्ला, अतुल तिवारी डॉ. ज्ञानेश तिवारी विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं शोधार्थी, एवं सागर शहर के गणमान्य नागरिक एवं साहित्य प्रेमी काफी संख्या में उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के कुल सचिव संतोष सहगौरा ने आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के डॉ. पंकज सिंह ने किया ।

टैगोर छात्रावास में छात्रों ने बांधा समा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्नातक विद्यार्थियों के टैगोर छात्रावास में आयोजित कवि सम्मेलन में विद्यार्थियों ने स्वरचित और अपनी लोक संस्कृति की खुशबू से भरी हुई कविताएँ सुनाई।

काव्य संध्या का संचालन कर रहे आयुष दांगी ने मां सरस्वती चरणों में नमन करते हुए अज्ञान रूपी अंधकार हर लो मां शारदे, ज्ञान रूपी प्रकाश कर दो मां शारदे, जैसी भाव प्रवण पंक्तियों से कार्यक्रम की शुरुआत की। दृष्टि बाधित छात्र प्रवीण की चल गांव, चल गांव जैसी कविता ने भावुक कर दिया। नवीन जैन ने रात आधी चांद पूरा और तुम छत पर अकेली जैसी कोमल भावनाओं के साथ काव्य संध्या को ऊँचाई प्रदान किया।

शुभम ने अपने विश्वविद्यालय पर आधारित कविता दुनिया से प्यारी यूनिवर्सिटी हमारी सुनाकर डॉ. सर हरिसिंह गौर और उनकी साकार कृति सागर विश्वविद्यालय को बहुत खूबसूरती के साथ सजीव वर्णन किया। मनोज दांगी, रितिक नागर, रोशन, अनुज कुमार, अजय गोस्वामी, वैभव, अभिषेक शुक्ला, दृष्टि बाधित छात्र प्रदीप आदि ने भी अपनी-अपनी कविताएं सुनाकर सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. राकेश सोनी ने की। संचालन आयुष दांगी ने किया और आभार मनोज दांगी ने माना।

टैगोर छात्रावास में उमड़ी राग-रस और काव्य की त्रिवेणी

जागरण न्यूज, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्नातक विद्यार्थियों के टैगोर छात्रावास में संध्या के समय अंतःवासियों द्वारा स्वतः स्फूर्त ढंग से एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें टैगोर छात्रावास के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्रावास में रह रहे भारत के अनेक प्रदेशों और अंचलों के छात्रों ने अपनी स्वरचित और अपनी लोक संस्कृति की खुशबू से भरी हुयी कविताएं सुनाई। काव्य संध्या का संचालन कर रहे आयुष दांगी ने मां सरस्वती चरणों में नमन करते हुएए अज्ञान रूपी अंधकार हर लो मां शारदे, ज्ञान रूपी प्रकाश कर दो मां शारदे जैसी भाव प्रवण पंक्तियों से कार्यक्रम की शुरुआत की। दृष्टि बाधित छात्र प्रवीण ने कविता अपनी सुमधुर आवाज में सुनाकर छात्रों को भावुक कर दिया। नवीन जैन ने रात आधी चांद पूरा और तुम छत पर अकेली जैसी कोमल भावनाओं के साथ काव्य संध्या को ऊंचाई प्रदान की। शुभम ने अपने विश्वविद्यालय पर आधारित कविता दुनिया से प्यारी यूनिवर्सिटी हमारी सुनाकर डॉ. सर हरीसिंह गौर और उनकी साकार कृति सागर विश्वविद्यालय को बहुत खूबसूरती के साथ सजीव वर्णन किया।

मनोज दांगी ने प्रेम की संवेदना और युवाओं के कर्तव्य विषयक कविता सुनाया। अजय गोस्वामी ने अपनी कविता के माध्यम से अपने हाले दिल को बयां किया तो वहीं वैभव ने अपनी स्वरचित कविता से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। अभिषेक शुक्ला ने अपनी देशभक्ति और व्यंग्य मिश्रित रचनाओं से छात्रों का शानदार मनोरंजन किया। कार्यक्रम के आखिर में एक अन्य दृष्टि बाधित छात्र प्रदीप ने अपनी गीतों और चुटीली बातों के साथ माहौल को शिखर पर पहुंचा दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रतिपालक डॉ.राकेश सोनी ने बच्चों के उत्साह को देखते हुए छात्रावास में इस तरह के रचनात्मक आयोजन की निरंतरता पर जोर देते हुए कहा कि सृजनात्मकता मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि है। विशेषकर रचनात्मक कार्यक्रमों द्वारा विद्यार्थियों के भीतर परीक्षा आदि के तनाव को खत्म करने के साथ ही उनकी प्रतिभा को निखारा जा सकता है।

dainikbhaskar.com दैनिक भास्कर सागर, गुरुवार, 28 अप्रैल, 2022

2019-20 में आयोजित परीक्षा का परिणाम • प्रदेश में 251 पदों के लिए हुई थी सिविल जज की परीक्षा, 137 का हुआ चयन, इनमें सागर विवि के 7 विद्यार्थी

मप्र सिविल जज परीक्षा में सागर विश्वविद्यालय के 7 विद्यार्थियों का हुआ चयन, इनमें से 4 ने पहले ही प्रयास में हासिल की सफलता

कोरोनाकाल के चलते दो साल में पूरी हुई परीक्षा की प्रक्रिया

भास्कर संवाददाता | सागर

मप्र सिविल जज परीक्षा 2019-20 में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के 7 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। प्रदेश में 251 पदों के लिए आयोजित हुई इस परीक्षा में 137 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। खास बात तो यह है कि सागर विश्वविद्यालय के 7 विद्यार्थियों में 4 पहले ही प्रयास में सफल हुए हैं। इनमें से अधिकांश ने सेल्फ स्टडी के दम पर परीक्षा पास की। कोविड के चलते परीक्षा का प्रीलिम्स करीब एक साल बाद मार्च 2021 में आयोजित हुई थी। इसके बाद मेन्स और इंटरव्यू में भी एक साल का समय और लग गया। यानी विद्यार्थियों को दो साल तक रिजल्ट का इंतजार करना पड़ा। इसके बावजूद भी विद्यार्थी बिना धैर्य खोए परीक्षा की तैयारी में लगे रहे और सफलता हासिल की। चयनित हुए विद्यार्थियों में ज्योति फुसकेले, ओशी जैन, आकाश अहिरवार, आशुतोष प्रताप सिंह, नारायण यादव, अजय अहिरवार और निधि लारिया का नाम शामिल है।

27 साल में अब तक 66 छात्र बने न्यायाधीश : यह पहली बार नहीं है जब सागर विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सिविल जज की परीक्षा पास की हो। 27 साल के आंकड़ों पर नजर डाले तो विश्वविद्यालय से अब तक 66 विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में बाजी मारी है। सागर विश्वविद्यालय के विद्यार्थी न केवल मप्र सिविल जज परीक्षा में बल्कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत कई प्रदेशों की परीक्षा पास कर न्यायाधीश का पद संभाल रहे हैं। सागर विवि से अब तक सबसे अधिक 13 विद्यार्थी 2017 में चयनित हुए थे।

सागर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर विकास अग्रवाल ने बताया कि यहां एलएलबी की पढ़ाई के साथ ही सिविल जज की तैयारी शुरू हो जाती है। सबसे पहले शिक्षक लॉ के बेसिक कंसेप्ट पर ध्यान देते हैं। क्लासेस रेगुलर होती हैं। इसके बाद लॉ बेयर एक्ट को आधार बनाकर अध्ययन कराया जाता है और जब विद्यार्थी सिविल जज की तैयारी करते हैं तो उन्हें कुछ नया महसूस नहीं होता, सिर्फ रिवाइज कराना होता है।

मप्र सिविल जज के लिए चयनित हुए 7 विद्यार्थियों में से 6 ग्रामीण क्षेत्र के, किसी के पिता किसान तो किसी ने पढ़ाई के साथ दूध भी दुहा

7 बार मेन्स और 4 बार इंटरव्यू राउंड से बाहर होने के बाद मिली सफलता

▪ नारायण यादव- 9वीं रैंक

बंडा स्थित बरायठा निवासी नारायण यादव ने 2015 में एलएलबी की पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद से लगातार मप्र और छत्तीसगढ़ की सिविल जज परीक्षा दे रहे थे। 7 बार मेन्स की परीक्षा दी और 4 बार इंटरव्यू राउंड से बाहर होने के बाद भी नारायण ने हिम्मत नहीं हारी। हर दिन 8 घंटे सेल्फ स्टडी की। स्ट्रेस दूर करने के लिए घर में दूध दुहा और किसान पिता मुन्नीलाल यादव के साथ उनके काम में हाथ बंटाया।

कोविड के स्ट्रेस से दो माह तक नहीं हुई पढ़ाई, फिर सेल्फ स्टडी से मिली सफलता

▪ ज्योति फुसकेले- 3रीं रैंक

खड़ेरी बटियागढ़ दमोह की रहने वाली है। पिता टीकाराम जैन किसान है। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय से 2020 में एलएलबी की पढ़ाई पूरी की और पहली बार में ही सफलता हासिल की। कोचिंग की जगह सेल्फ स्टडी की। 5 से 6 घंटे। जो पढ़ते थे उसे दिनभर रिवाइज करते थे। कोविड में बहुत सारे रिश्तेदारों डेथ पढ़ाई नहीं हुई। जून से पढ़ाई शुरू की। कोविड में स्ट्रेस के कारण पढ़ाई मुश्किल हुई।

बहन के जज बनने से मिली प्रेरणा, रोज 6 घंटे पढ़ाई के बाद मिली सफलता

▪ आशुतोष प्रताप सिंह- 6वीं रैंक (एसटी कैटेगिरी)

बड़ेरा जिला कटनी निवासी आशुतोष प्रताप सिंह ने सागर विवि से 2019 में एलएलबी की पढ़ाई की और फिर जबलपुर में परीक्षा की तैयारी। आशुतोष बताते हैं कि उनके पिता जनपद पंचायत में एडीईओ के पद पर हैं और बहन पल्लवी सिंह 2019 में ही सिविल जज बनी। जिसके बाद उन्होंने भी जज बनने की ठानी और हर दिन 5 से 6 घंटे पढ़ाई कर पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की।

पिता का सपना पूरा करने के लिए तीसरे प्रयास में सफलता

▪ निधी लारिया- 7वीं रैंक (एसी कैटेगिरी)

लाजपतपुरा वार्ड निवासी निधि लारिया ने सागर विश्वविद्यालय से 2017 में एलएलबी की पढ़ाई पूरी की थी। निधि के पिता पीएल लारिया विशेष लोक अभियोजक हैं। ऐसे में उनका सपना था कि बेटी सिविल जज बने। जिसके लिए निधि ने तीन बार सिविल जज की परीक्षा दी। दो बार असफल रहीं, लेकिन तीसरी बार उन्होंने 8 से 10 घंटे तक कड़ी मेहनत कर सफलता हासिल की।

मेन्स परीक्षा के 4 दिन पहले टाइफाइड हुआ, बीमारी में भी हिम्मत दिखाई

▪ ओशी जैन-42वीं रैंक

ओशी गढ़ाकोटा के कपड़ा व्यापारी सनमति जैन की बेटी हैं। इन्होंने 2019 में एलएलबी की परीक्षा पास की और पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की। ओशी का कहना है कि पढ़ाई के समय फोकस होना चाहिए और कंसेप्ट पर ध्यान देना जरूरी है। ओशी बताती हैं कि जिस दिन मेन्स का एडमिट कार्ड आया था, उसी दिन मुझे टाइफाइड डाइग्नोज हुआ था। परीक्षा के दिन बुखार और कमजोरी थी, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। परिवार के सपोर्ट से सफलता मिली।

लॉकडाउन के दौरान तीन माह तक इंदौर में फंसे रहे, लेकिन तैयारी नहीं छोड़ी

▪ आकाश अहिरवार- 3रीं रैंक (एससी कैटेगिरी)

टीकमगढ़ निवासी आकाश अहिरवार ने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल की है। आकाश के पिता 2016 में गुजर गए। जिसके बाद से दो बड़े भाई घर संभालते हैं। आकाश ने बताया कि मां का सपना था कि उनका बेटा जज बने। इसलिए एलएलबी की पढ़ाई पूरी करने के बाद तैयारी के लिए इंदौर चले गए, लेकिन इसी बीच कोविड के कारण उन्हें लॉकडाउन का सामना करना पड़ा। तीन माह तक कमरे में बंद रहे, लेकिन तैयारी नहीं छोड़ी।

कोविड में 50% फेफड़े संक्रमित हुए, दो माह तक पढ़ाई नहीं हुई

▪ अजय अहिरवार-14वीं रैंक (एससी कैटेगिरी)

टीकमगढ़ स्थित टका मजरा गांव के निवासी अजय अहिरवार ने सागर विवि से 2018 में एलएलबी की पढ़ाई पूरी की थी। अजय के पिता दीनबंधु अहिरवार पेशे से वकील हैं। पिता का सपना था कि उनका बेटा न्यायाधीश बने। जिसके लिए अजय ने सिविल जज परीक्षा में एक बार असफल होने के बावजूद भी हिम्मत नहीं हारी और दूसरे प्रयास में जुट गए। इस दौरान वे कोविड का शिकार हुए। 50 फीसदी फेफड़े संक्रमित होने के कारण दो माह तक पढ़ाई नहीं कर सके, लेकिन अंत में जीत हासिल की।

सिविल जज की परीक्षा में विवि से सात का चयन

ज्योति फुसकेले | आशुतोष प्रताप सिंह | आकाश अहिरवार | अजय अहिरवार | नारायण यादव

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश सिविल जज परीक्षा 2019 के अंतिम चरण का परिणाम मंगलवार को देर रात घोषित हुआ है। इस परिणाम के बाद एक बार फिर, विधिवेत्ता डा. हरीसिंह गौर द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय के विधि विभाग के आधा दर्जन छात्रों ने बाज;ी मारी है। हालांकि इन विद्यार्थियों द्वारा भी कड़;ी मेहनत कर यह सफलता हासिल की है।

इस वर्ष यह परीक्षा लंबे अंतराल के बाद हुई, जिसमे प्रारंभिक परीक्षा 20 मार्च 2021 को हुई। वहीं मुख्य परीक्षा कोरोना की दूसरी लहर के बाद 25,26 सितंबर 2021 को संचालित की गई। अंतत: सभी अभ्यर्थियों के मौखिक इंटरव्यू 8 अप्रैल को हुए। उक्त तीनों चरणों में सफल होकर, सागर विवि के 7 विद्यार्थी चयनित हुए, जिनमें ज्योति फुसकेले ने ओशी जैन, आशुतोष प्रताप सिंह, आकाश अहिरवार, अजय अहिरवार, नारायण यादव और निधि लारिया ने सफलता प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।

किसी ने पहली बार तो किसी ने दूसरी बार में पाई सफलता: डा. हरीसिंह गौर विवि के सात विद्यार्थियों में से किसी ने पहली ही बार में तो किसी ने दूसरी बार में सफलता हासिल की है। इन विद्यार्थियों में से अधिकांश विद्यार्थियों ने दिन रात पढ;ाई की है। कुछ विद्यार्थियों ने घर पर रहकर ही पढ;ाई की है तो कुछ ने कोचिंगों के साथ घर में पढ;ने और अपने सीनियर की मदद लेकर तैयारी की है। उनकी इस मेहनत के बाद आज कई विद्यार्थी चयनित हुए हैं। विवि के विद्यार्थियों की इस उपलिब्ध के बाद विवि प्रशासन ने चयनित विद्यार्थियों के लिए शुभकामनाएं दी है।

घर पर रहकर दिन-रात में की पढ़ाई तो मिल गई सफलता

जिला न्यायालय में विशेष लोक अभियोजक व लाजपतपुरा वार्ड निवासी पीएल लारिया की बेटी निधि लारिया का भी सिविल जज की परीक्षा में चयन हुआ है। निधि ने इस उपलिब्ध को हासिल करने में दिन-रात मेहनत की है। हालांकि पिछली बार भी वह चयनित होते-होते रह गई थी। जिला न्यायालय से फिलहाल पीएल लारिया की बेटी का ही चयन हुआ है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया है। श्री लारिया बताते हैं कि बीई करने के बाद मैं उसे जबलपुर हाइकोर्ट लेकर गया था, जहां से ही उसे जज बनने की प्रेरणा मिली। पहले तो मुझे मुश्किल लग रहा था, लेकिन बेटी ने दिन रात मेहनत करके यह सफलता हासिल कर दी। उनकी इस उपलिब्ध पर उनके मित्रों व अधिवक्ताओं ने घर पहुंचकर व इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बधाई दी है।

डॉ. हरीसिंह गौर विवि के 7 विद्यार्थियों का सिविल जज में चयन

सागर, देशबन्धु। मप्र सिविल जज परीक्षा 2019 के अंतिम चरण का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें देश के सबसे बड़े विधिवेत्ता के द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय डॉ. हरिसिंह गौर विवि के विधि विभाग के छात्रों ने बाज़ी मारी है। इस वर्ष यह परीक्षा लंबे अंतराल के बाद संचालित की गई। प्रारंभिक परीक्षा 20 मार्च 2021 को हुई, वहीं मुख्य परीक्षा कोरोना की दूसरी लहर के बाद 25-26 सितंबर 2021 को संचालित की गई। अंतत: सभी अभ्यर्थियों के मौखिक इंटरव्यू 8 अप्रैल को संपन्न हुए। उक्त तीनों चरणों में सफल होकर, सागर विवि के 7 विद्यार्थी चयनित हुए। जिनमें ज्योति फुसकेले, ओशी जैन, आशुतोष प्रताप सिंह, आकाश अहिरवार, अजय अहिरवार, नारायण यादव और निधि लारिया ने सफलता प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।

रंग कार्यशाला: विद्यार्थियों ने दी बॉडी मूवमेंट और बॉडी एब्सट्रेक्ट की प्रस्तुति

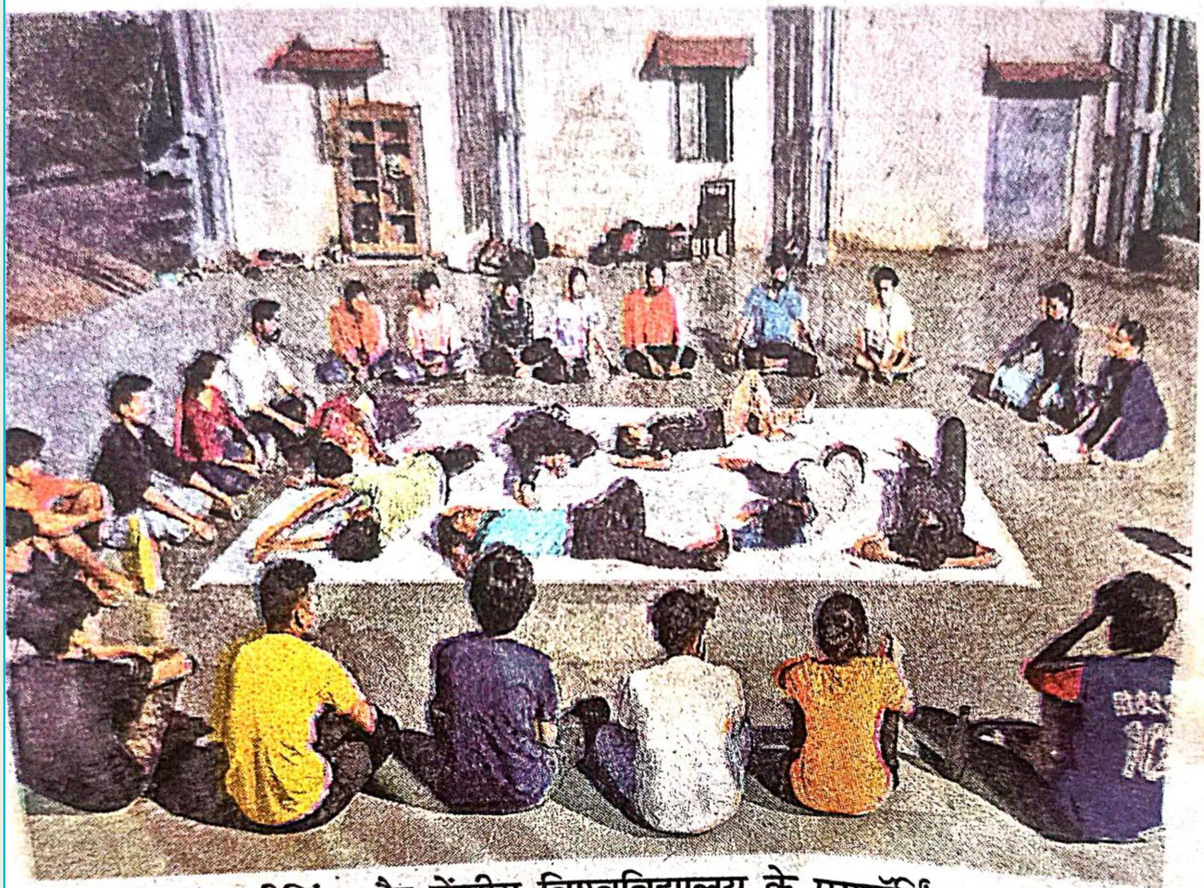

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के परफॉर्मिंग आर्ट विभाग में सांस्कृतिक परिषद और रंग थिएटर फोरम सागर के तत्वावधान में हुई तीन दिवसीय रंग कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया। कार्यशाला में अहमदाबाद गुजरात से आई अर्पिता धगट एनएसटी एलुमिनाई 2013 द्वारा बॉडी मूवमेंट पर तीन दिवसीय वर्कशॉप ली गई। इसमें छात्रों को बॉडी मूवमेंट और बॉडी एब्सट्रेक्ट सिखाए गए। वर्कशॉप के अंतिम दिन छात्रों द्वारा इसकी प्रस्तुति भी दी गई। कार्यशाला के समापन पर विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने धगट का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। समापन पर रंग थिएटर फोरम के निदेशक मनीष बोहरे, संगीत श्रीवास्तव, रवि आनंद सिंह चंदेल, नीलेश गौतम, राहुल नगाइच, शिवशंकर यादव, अमित श्रीवास्तव, देवेंद्र गुप्ता मौजूद थे।

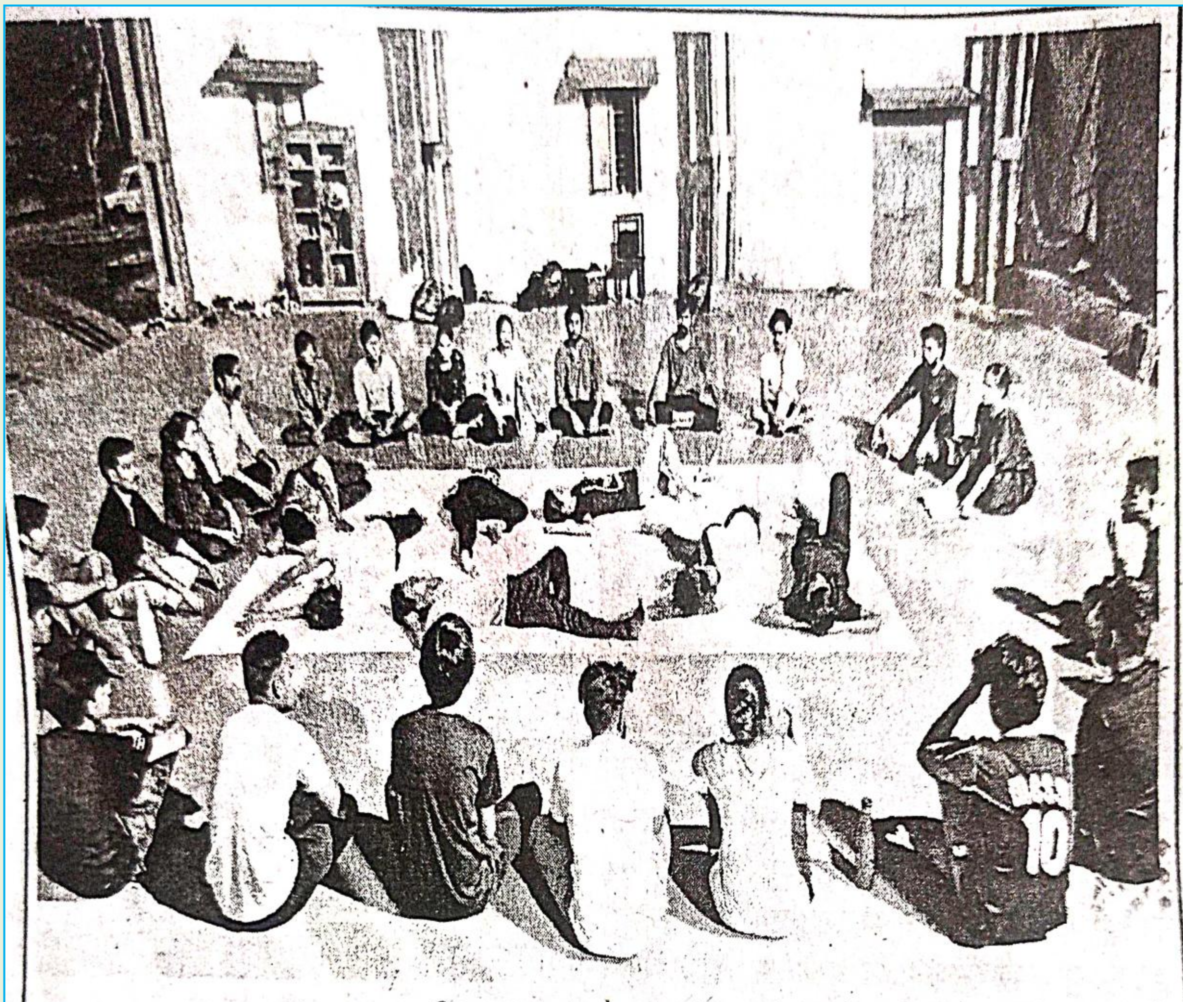

रंग कार्यशाला का हुआ समापन

सागर, आचरण। हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के परफॉर्मिंग आर्ट डिपार्टमेंट में सांस्कृतिक परिषद और रंग थिएटर फोरम सागर के तत्वावधान में हुई तीन दिवसीय रंग कार्यशाला का हुआ समापन इस कार्यशाला में अहमदाबाद गुजरात से आई हुई सुश्री अर्पिता धगट एनएसटी एलुमनाई 2013 द्वारा बॉडी मूवमेंट पर तीन दिवसीय वर्कशॉप ली। जिसमें छात्रों को बॉडी मूवमेंट और बॉडी एब्स्ट्रेक्ट सिखाएं। वर्कशॉप के अंतिम दिन छात्रों द्वारा इस की प्रस्तुति भी दी गई। रंग कार्यशाला के समापन पर विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समन्वयक डॉ राकेश सोनी ने सुश्री अर्पिता धगट का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। समापन पर रंग थिएटर फोरम के निदेशक मनीष बोहरे ,संगीत श्रीवास्तव, रवि आनंद सिंह चंदेल, नीलेश गौतम, राहुल नगायच, शिवशंकर यादव, अमित श्रीवास्तव, देवेंद्र गुप्ता उपस्थित रहे।

डा. आंबेडकर चेयर के लिए विवि के साथ हुआ एमओयू

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. आंबेडकर फाउंडेशन और डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के बीच डा. आंबेडकर चेयर एवं डा. आंबेडकर सेंटर आफ एक्सेलेन्स के लिए एमओयू किया गया। कार्यक्रम में फाउंडेशन के तरफ से इसके निदेशक विकास त्रिवेदी और विवि के तरफ से कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा हस्ताक्षर किए गए।

बीएचयू में आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्री डा. वीरेन्द्र कुमार (मिनिस्ट्री आफ सोशल जस्टीस एण्ड एम्पावरमेन्ट), राज्यमंत्री नारायणस्वामी, राज्यमंत्री कुमारी प्रतिभा भौमिक, मंत्रालय के सचिव सुब्रमणियम, रवि त्रिपाठी, सुधीर हिलसायन (एडीटर, डा. अम्बेडकर फाउन्डेशन) के साथ-साथ विभिन्न केंद्रीय विवि के कुलपति एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि डा. आंबेडकर सेंटर आफ एक्सेलेंस के लिए देश के चुने हुए 31 केंद्रीय विवि के साथ मंत्रालय का एमओयू हुआ। साथ ही डा. आंबेडकर चेयर के लिए डा. हरीसिंह गौर विवि के साथ-साथ अन्य प्रमुख विवि के साथ मंत्रालय ने एमओयू किया।

विवि को 2016 में भी मिला था आंबेडकर चेयर: उल्लेखनीय है कि डा. हरीसिंह गौर विवि को 2016 में डा. आंबेडकर चेयर मिला था, लेकिन यह चेयर समुचित भूमिका नहीं निभा पाया था। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता सत्प्रयास से एक बार फिर से विवि को डा. अम्बेडकर चेयर प्राप्त हुआ है। साथ ही प्रतिष्ठित डा. आंबेडकर सेंटर आफ एक्सेलेन्स भी डा. हरीसिंह गौर विवि को प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री डा. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि चेयर के साथ-साथ डेस से वंचित समुदाय को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि चेयर अनुसंधान आदि कार्य करता है, जबकि सेंटर (डेस) के द्वारा अनुसूचित जाति के छात्र-छात्रों को सिविल सेवा के लिए निश्शुल्क कोचिंग प्रदान की जाएगी।

डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह

डिग्री और मेडल मिलते ही खिल उठे छात्र-छात्राओं के चेहरे

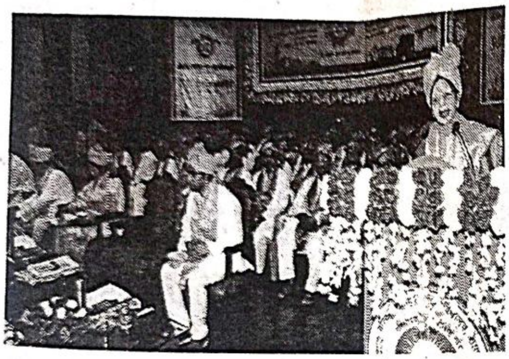

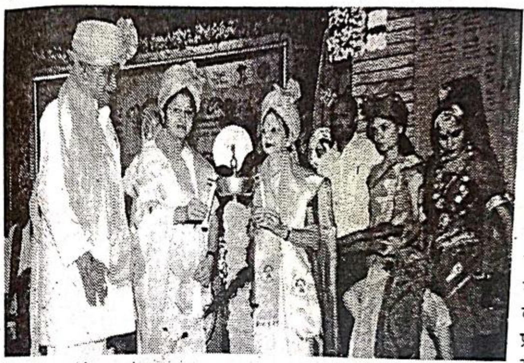

सागर

डा. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 30 वां दीक्षा समारोह मंगलवार को विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में हर्षोल्लाष के साथ मनाया गया। समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नापूर्णा देवी ने दो साल के विद्यार्थियों को डिग्री व गोल्ड मेडल वितरित किए। डिग्री मिलते ही विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे और यह खुशी उनके साथ-साथ उनके स्वजनों के चेहरे पर भी नजर आई।

• समारोह की मुख्य अतिथि केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नापूर्णा देवी ने दीक्षा भाषण देते हुए कहा कि आज मानव सभ्यता अपने जिस पड़ाव पर है, खासकर हम इसके पिछ्ले दो तीन सौर सालों की प्रगति को देखें, तो हमें विश्वविद्यालयों का अहम योगदान दिखाई देता है। इन वर्षों में कला, साहित्य, ज्ञान और राजनीति से लेकर अर्थशास्त्र, दर्शन और शासन के क्षेत्र में मानवता को जितना भी ज्ञान प्राप्त हुआ है, जितने भी दर्शन और सिद्धांत मिले हैं, वह सभी प्राय: विश्वविद्यालय से ही सम्बद्ध रहे हैं। इसलिए भारत सरकार शिक्षा के माध्यम से समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की कार्ययोजना पर गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह आपकी खुशकिस्मती है कि आप डा. हरीसिंह गौर विवि जैसे महत्त्?वपूर्ण संस्थान में अध्ययन किया है। आने वाले समय में अपनी सम्पूर्ण क्षमता और सामर्थ्य के साथ अपने समाज को वापस लौटाने का प्रयास करना चाहिए।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी ज्ञान ऋषि डा. गौर के सच्चे वारिस हैं। आज राष्ट्र को अपने मेधा और प्रज्ञा सम्पन्ना युवा शक्ति की आवश्यकता है। सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए परम वैभवशाली भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है। डा. गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नाति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विवि में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की। भाषाएं भारतीय सामाजिक भिन्नाता को एकता के एक साझे सूत्र में बांधती हैं और भारतीय भाषाओं में सम्पूर्ण भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतिनिधित्?व करती हैं। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि डा. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। यूजीसी की परियोजना के तहत विवि में स्किल हब की शुरुआत की गई है। प्लेसमेंट सेल और स्टार्ट अप योजनाओं के तहत विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा और क्षमता का उपयोग करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है।

विशिष्ट अतिथि कलाकार और दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने आनलाइन माध्यम से समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि डा. गौर विवि जैसे सुन्दर प्राकृतिक एवं ज्ञान से समृद्ध परिवेश में अध्ययन करना किसी भी विद्यार्थी के लिए सौभाग्य की बात है। हमारी भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में जितने भी श्रेष्ठ गुरुकुल हुआ करते थे उनके लिए किसी प्रकार का प्राकृतिक परिवेश अनिवार्य था। विशिष्ट अतिथि लोक निर्माण विभाग के मंत्री गोपाल भार्गव ने भी कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने अपने संदेश में कहा कि हम सबका छात्र जीवन डा. गौर विवि में बीता है। पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और अपने क्षेत्र और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें।

डॉ. आंबेडकर चेयर के लिए विवि ने किया अनुबंध

बीएचयू में एमओयू हुआ साइन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. आंबेडकर फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा बीएचयू वाराणसी में एमओयू साइनिंग ऐरिमनी आयोजित किया। इसमें डॉ. डॉ. आंबेडकर फाउण्डेशन और डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के बीच डॉ. अम्बेडकर चेयर औरडॉ. आंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सेलेन्स के लिए एमओयू साइन हुआ है। फाउंडेशन के तरफ से इसके निदेशक विकास त्रिवेदी और विवि की ओर से कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने हस्ताक्षर किए। बीएचयू में आयोजित इस कार्यक्रम में मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टीस एंड एम्पावरमेन्ट डॉ. वीरेन्द्र कुमार, राज्यमंत्री नारायणस्वामी, राज्यमंत्री कुमारी प्रतिभा भौमिक, मंत्रालय के सचिव सुब्रमणियम, रवि त्रिपाठी, सुधीर हिलसायन के साथ-साथ विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे। विदित है कि डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय को 2016 में डॉ. आंबेडकर चेयर मिला था, लेकिन यह चेयर समुचित भूमिका नही निभा पाया था। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने पुनः डॉ. आंबेडकर चेयर और डॉ. आंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सेलेन्स के लिए प्रयास किए थे।

कुलपति ने किया चयनित सिविल जजों का उत्साहवर्धन

जागरण, सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के विधि विभाग के सात छात्रों का चयन मध्य प्रदेश सिविल जज परीक्षा 2019 अनंतिम रूप से हुआ है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने चयनित छात्र-छात्राओं को कुलपति कार्यालय में मिष्ठान एवं उपहार के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। एक लम्बी और तार्किक चयन प्रक्रिया द्वारा चुने गए विद्यार्थियों को कुलपति ने विश्वविद्यालय के उज्जवल कीर्ति का ध्वजवाहक बताया। चयनित विद्यार्थियों में ज्योति फुसकेले, ओशी जैन, नारायण यादव और निधि लारिया के साथ विधि अध्ययन शाला के अधिष्ठाता प्रो. वाईएस ठाकुर, विभागाध्यक्ष प्रो. अनुपमा कौशिक, डॉ. अनुपमा सक्सेना पंडित, डॉ. विकास अग्रवाल, डॉ. रुचिरानी सिंह, विवेक दुबे, कृष्ण कुमार एवं अतिथि शिक्षक रामदास राज, कुंवर भरत सिंह, रुपाली जैन, नवनीत सिंह, रितेश व्यास, मुकेश कुमार कोरी उपस्थित थे।

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www.dhsgsu.edu.in